GOVERNMENT OF TAMIL NADU

हिंदी पाठमाला

Hindi Reader

दूसरी कक्षा

Standard Two

सत्र - II

Term - II

Department of School Education

Untouchability is inhuman and a crime

Government of Tamil Nadu

First Edition – 2026

(Published under New Syllabus
in Trimester Pattern)

Price : Rs.

A call can change your life (24×7 toll free helplines for children below 18 years)

If you are forced into
Child Marriage or Child Labour,
If you are Emotionally,
Physically, Sexually
Harassed or Abused,



If you feel unsafe dial CHILDLINE 1098 Night & Day

Caller details will be kept confidential

If you are feeling Threatened or
being Abused or Harassed –
Emotionally, Physically or Sexually,
If you are feeling unsafe,
If you need guidance for
Examinations or Higher Education



Dial 14417

Caller details will be kept confidential

Content Creation

State Council of Educational
Research and Training
© SCERT 2026

Printing & Publishing

Tamil Nadu Textbook and Educational
Services Corporation

Foreword

The early years of childhood are a time of wonder-when curiosity is boundless, imagination is vivid, and every experience becomes a step in the journey of learning. These textbooks for Classes 1 to 3 have been developed to honour this spirit, creating a learning experience that is joyful, meaningful, and engaging.

Developed as part of the **Tamil Nadu State Education Policy-2025**, these books mark a significant step towards strengthening foundational education in the State. The vision and direction provided by the **Hon'ble Minister for School Education** have ensured that the policy's emphasis on child-centred, competency-based, and inclusive learning is meaningfully reflected in these materials.

The leadership of the **Additional Chief Secretary,** School Education has been instrumental in ensuring the integration of 21st-century skills and knowledge, and in shaping the textbooks into engaging story-driven learning experiences.

This is further reflected in a competency-based approach to curriculum and assessment that moves beyond rote learning to foster deep conceptual understanding and meaningful application. The integration of value education to build character, along with life skills, art and motor skill development, enables the holistic development of the child.

The members of the High-Level Curriculum Expert Committee, the Chairperson and the members of the Curriculum Development Committee, have provided constant guidance, shaping and refining these materials through their insights and expertise, alongside the contributions of educators and practitioners acknowledged elsewhere in this book.

At this foundational stage, learning must build strong foundations while supporting the overall development of the child. These textbooks bring together a carefully designed set of features that make learning active, engaging, and meaningful:

- Opportunities for speaking and listening, building confidence in expression
- Activities that strengthen logical thinking and conceptual understanding
- Integrated spaces for reading and writing practice within lessons
- Fine and gross motor skill development through drawing, colouring, tracing, and movement-based tasks
- Simple avenues for independent learning and self-reflection

The books also integrate values and life skills, helping children develop empathy, cooperation, responsibility and confidence.

Learning is guided by a competency-based approach that moves beyond memorisation towards understanding and application. Assessment is embedded within the learning process, making it continuous, meaningful and supportive.

These textbooks are learning companions that invite children to explore, think and express. They represent a shared commitment to enabling every child to learn with joy, grow with confidence, and build a strong foundation for the future-advancing a vision of **"Education reimagined, inclusive, equitable, and future-ready".**

DIRECTOR
State Council of Educational
Research and Training (SCERT)
Tamil Nadu

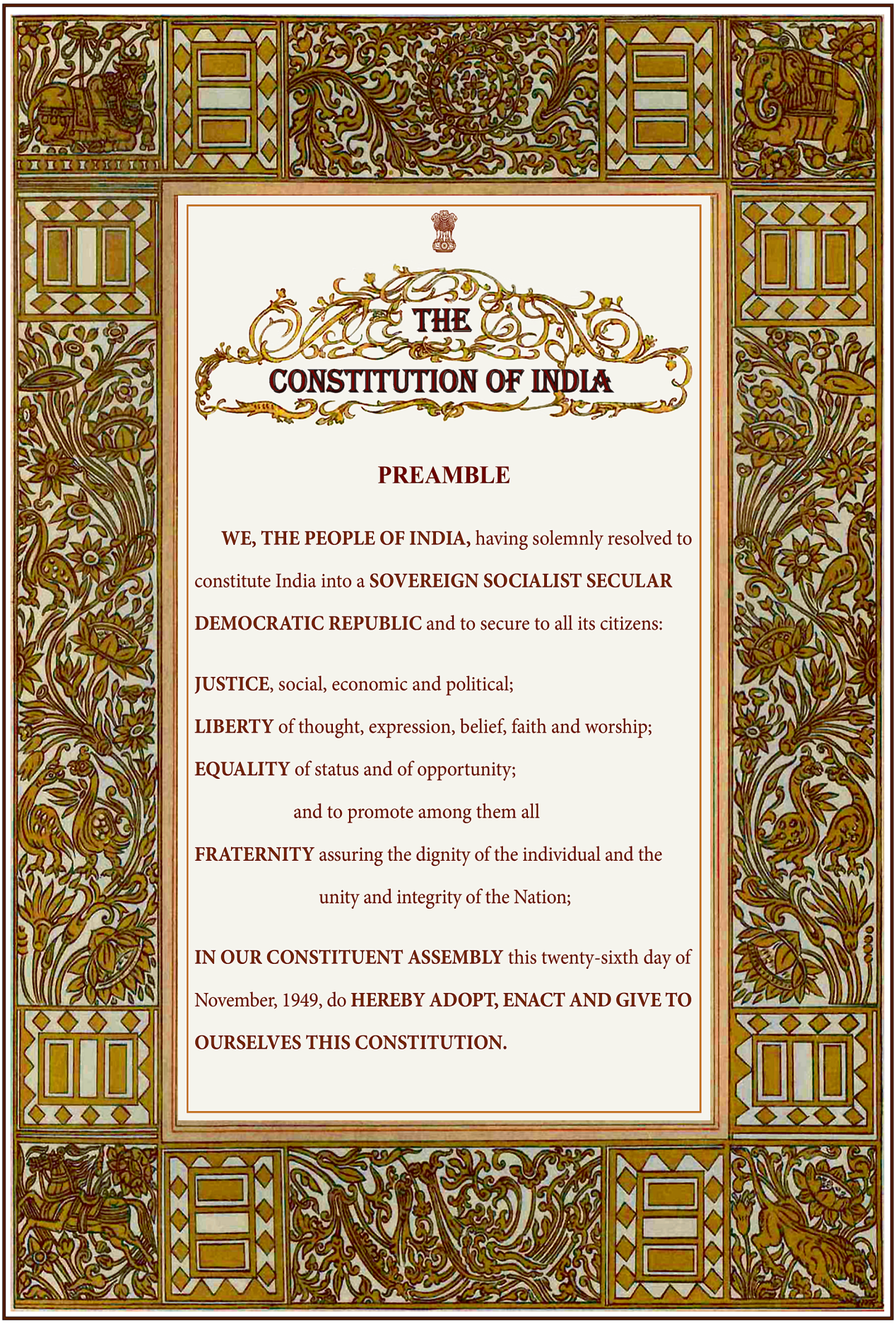

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a **SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC** and to secure to all its citizens:

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity;

and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the unity and integrity of the Nation;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

भूमिका

प्रिय विद्यार्थियों,

यह हिंदी पुस्तक विशेष रूप से कक्षा 2 के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए तैयार की गई है। इस पुस्तक के माध्यम से आप सरल और रोचक कहानियाँ, सुंदर कविताएँ, ज्ञानवर्धक पाठ तथा मनोरंजक गतिविधियाँ सीखेंगे। इस पुस्तक का उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने, लिखने, बोलने और समझने की क्षमता का विकास करना है। प्रत्येक पाठ को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है ताकि विद्यार्थी आसानी से समझ सकें और आनंद के साथ सीख सकें। हम आशा करते हैं कि यह पुस्तक विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को बढ़ाएगी। विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ —

आइए, हम मिलकर हिंदी सीखें और आगे बढ़ें!



देशीयगीतम्

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा
द्राविड़, उत्कल, बंग
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तब शुभ नामे जागे
तब शुभ आशिष मांगे
गाहे तब जय गाथा
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय जय हे!

महाकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर



तमिल माता की वंदना
(तमिलताय वाळ्तु)

नीरारूम कडलुडुत्त निलमडन्दै केळिलोळुगुम
सीरारूम वदनमेन तिगळ भरत खंडमिदिल,
तेक्कणमुम अदिर्चिरन्द द्रविड़नल् तिरूनाडुम
तक्कचिरू पिरैनुदलुम तरितनरून् तिलकमुमे
अत्तिलक वासनैपोल अनैत्तुलगुम इन्बमुर
एत्तिशैयुम पुगळ मणक्क इरून्द पेरूंतमिलअणंगे !
तमिलअणंगे !
उन सीर इलमै तिरम वियन्दु
सेयल मरन्दु वाळ्तुदुमे !
वाळ्तुदुमे !
वाळ्तुदुमे !

'मनोनमणीयम' पे. सुंदरनार।

राष्ट्रीय प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है।
सब भारतवासी मेरे भाई-बहन है।
मैं अपने देश से प्रेम करता/करती हूँ।
इसकी समृद्ध एवं विविध संस्कृति पर मुझे गर्व है।
मैं सदा इसका सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न करता/करती रहूँगा /रहूँगी।
मैं अपने माता-पिता, शिक्षको एवं गुरुजनो का सम्मान करूँगा /करूँगी और प्रत्येक के साथ विनीत रहूँगा/रहूँगी।
मैं अपने देश और देशवासियों के प्रति सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करता/करती हूँ।
इनके कल्याण एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

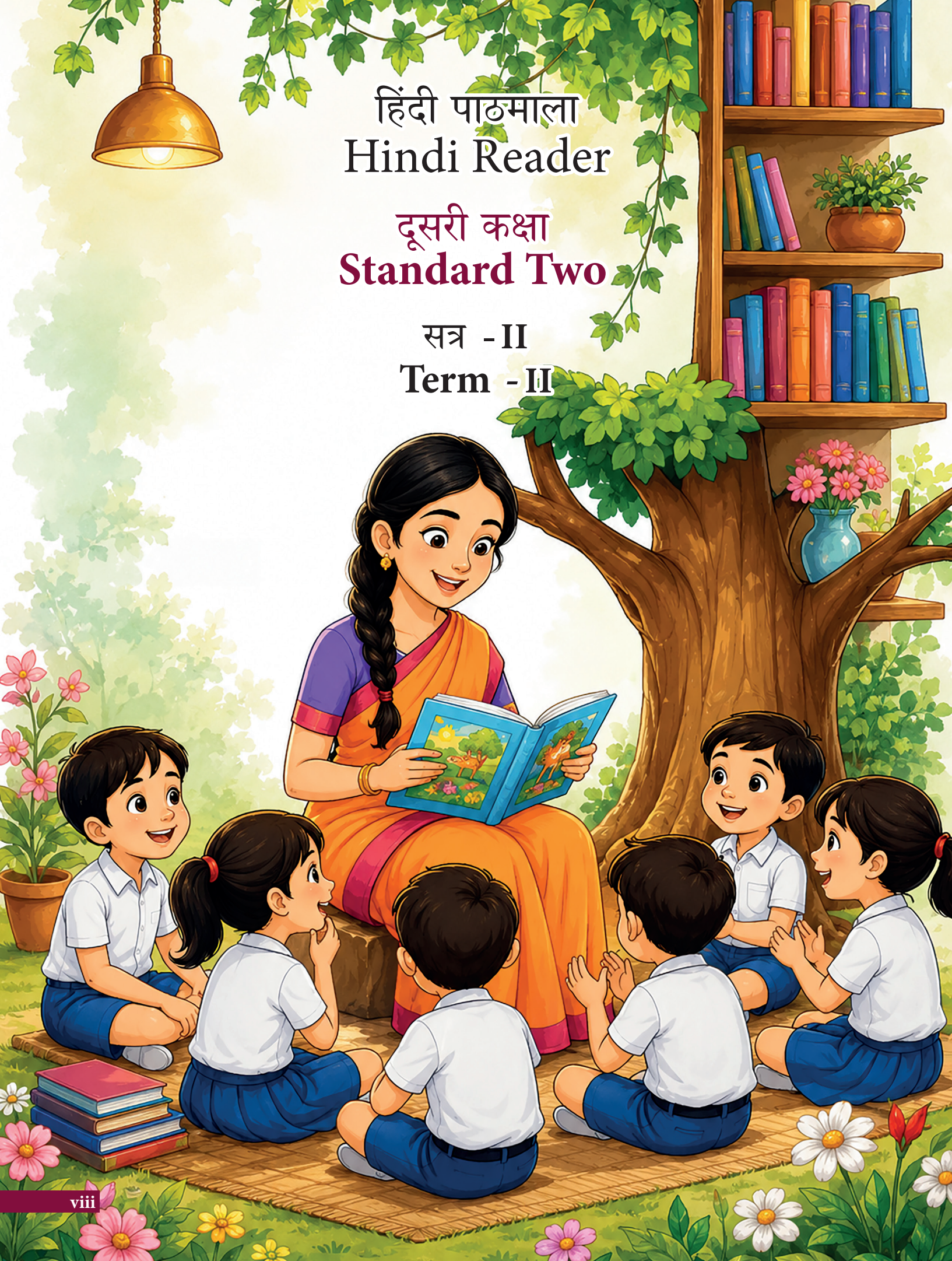

हिंदी पाठमाला
Hindi Reader

दूसरी कक्षा
Standard Two

सत्र - II

Term - II

विषय-सूची

1 चित्र देखकर रंग भरिए 01

2 स्वर और व्यंजन 03

3 ह्रस्व स्वर, दीर्घ स्वर, अयोगवाह 08

4 कविता – हँसते रहना 12

5 चूहा और पेंसिल (चित्रकथा) 16

6 कहानी – रट्टू तोते 22

7 कविता – नानी की कहानी 28

8 पाठ – झनकू दादा और चोर 33

9 रंग-बिरंगे फूल 41

10 सारस और गीदड़ की कहानी 46

पढ़ेंगे - लिखेंगे

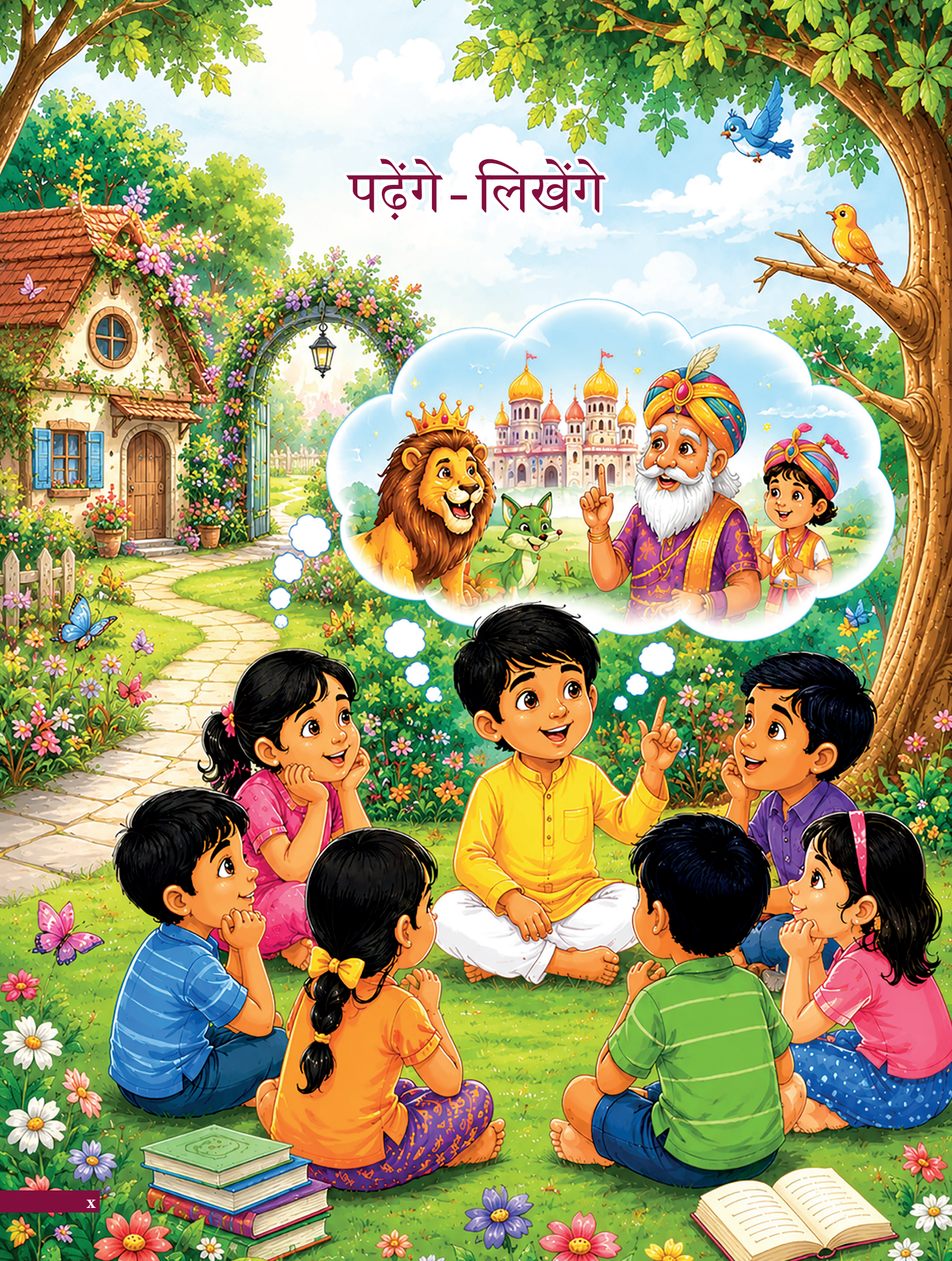

1 चित्र देखकर रंग भरिए



चित्र देखकर रंग भरिए

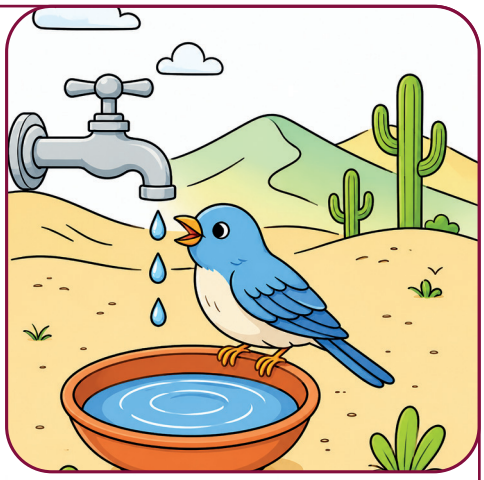

2 स्वर और व्यंजन



व्यंजन


क कलम
ख खरगोश
ग गाय
घ घर
ङ ङ
च चरखा
छ छड़ी
ज जहाज़
झ झंडा
ञ ञ
ट टब
ठ ठेला
ड डमरू
ढ ढोल
ण ण
त तबला
थ थरमस
द दरवाज़ा
ध धन
न नल
प पपीता
फ फल
ब बस
भ भालू
म मटर
य यान
र रथ
ल लड्डू
व वट
श शेर
ष षट्कोण
स सड़क
ह हाथी
क्ष क्षत्रिय
त्र त्रिकोण
ज्ञ ज्ञान
श्र श्रम

चित्र पहचानें और स्वर से मिलायें।





आ

ओ





ऐ

अं





उ

ऊ





ऋ

अ





ई

औ





इ

ए

दिए गए चित्र में सही स्वर चुनकर लिखिए

(ऊ अ ई उ ए ओ अं ऋ औ अः इ ऐ आ)



_____नार



_____म



_____मली



_____ख



_____ल्लू



_____न



_____ तु



_____ड़ी



_____नक



_____खली



_____षधि



_____गूर

सही अक्षर पर गोला लगाओ



न ब ख

म र ब





म ब व

स ध भ





ष भ ध

म ह ट





ल ह ज्ञ

श्र थ ह



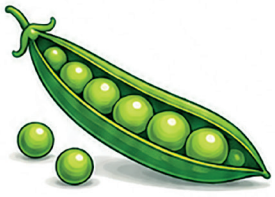

म र स

ग श भ





घ छ ट

ल क्ष क



3 ह्रस्व स्वर, दीर्घ स्वर,अयोगवाह

वर्णमाला

स्वर

- **ह्रस्व**
  - अ, इ, उ, ऋ
    (4 वर्ण)
- **दीर्घ**
  - आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ
    (7 वर्ण)
- **अयोगवाह**
  - अं, अः



ह्रस्व स्वर, दीर्घ स्वर,अयोगवाह छाँटकर लिखिए



ह्रस्व स्वरः

दीर्घ स्वरः

अयोगवाहः

नीचे दिए गए स्वर और व्यंजन छाँटकर लिखिए

अ	क	इ	ग
उ	च	ए	ट
ओ	न	ऐ	म
आ	प	ऊ	ब



स्वर

व्यंजन



सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए

मछली, पानी, जलचर, समुद्र



1. यह एक _____ है।
2. यह _____ में रहती है।
3. यह _____ होती है।
4. मछली _____ में पाई जाती है।

4 कविता - हँसते रहना

जीवन में हँसी का बहुत महत्व है। हँसने की वजह से हमारा मन हल्का होता है और हमें आनंद भी मिलता है। कवि चाहते हैं कि आप हमेशा खुश रहें और खुशियाँ बाँटे।

बच्चों हंसते रहना तुम,
खुशियाँ खूब लुटाना तुम।
देखो फूलों का खिलना,
देखो नदियों का बहना।
झरनों जैसा झरना तुम,
बच्चों, हँसते रहना तुम।

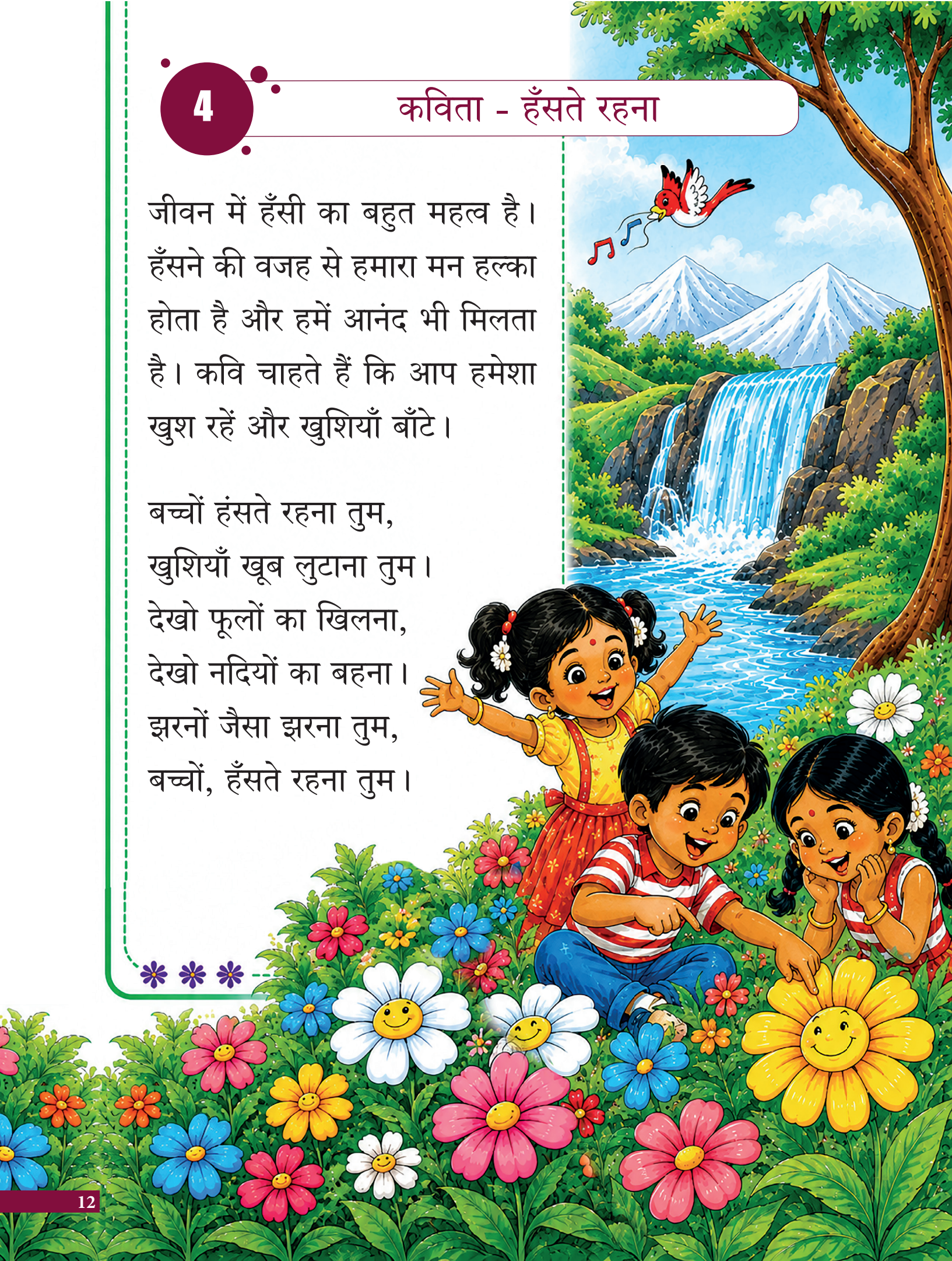

अर्थ

वाणी - बोली
पंछी - पक्षी
डोलो - घूमो
कुसुम - फूल
सरिता - नदी

सही शब्द चुनकर लिखिए:-

(खुशी,बच्चों,झरने,हमेशा,नदियों)

1. बच्चों को _____हंसते रहना चाहिए।
2. दूसरों पर हमें _____लुटाना चाहिए।
3. _____ की वाणी मधुर होनी चाहिए।
4. बच्चों को _____ जैसा झरना चाहिए।
5. _____ की तरह बच्चों को बहना चाहिए।

सही या गलत

1. बच्चों को उदास रहना चाहिए।
2. मीठी वाणी बोलना अच्छी आदत है।
3. दूसरों को हमें हमेशा खुशी देनी चाहिए।

प्रश्नोत्तर

1. कवि बच्चों से क्या करने को कहते हैं ?
2. बच्चों को कैसी बोली बोलनी चाहिए ?
3. किसकी तरह खिलना चाहिए ?

योग्यता-विस्तार

कविता को भावपूर्ण ढंग से सुनाकर विद्यार्थियों से कविता का वाचन, अभिनय, प्रश्नोत्तर, शब्दार्थ तथा कविता का संदेश समझाएँ।

गतिविधि

चित्र देखकर रंग भरिए।



शब्दों को सही चित्र से मिलाइए!

खुश

डरा हुआ

हैरान

नींद आ रही है

दुखी

गुस्सा













5 चूहा और पेंसिल (चित्रकथा)

एक दिन मीकू चूहा खाने के लिए कुछ ढूंढ रहा था कि-
उसे एक पेंसिल मिल गई। वह बोला-

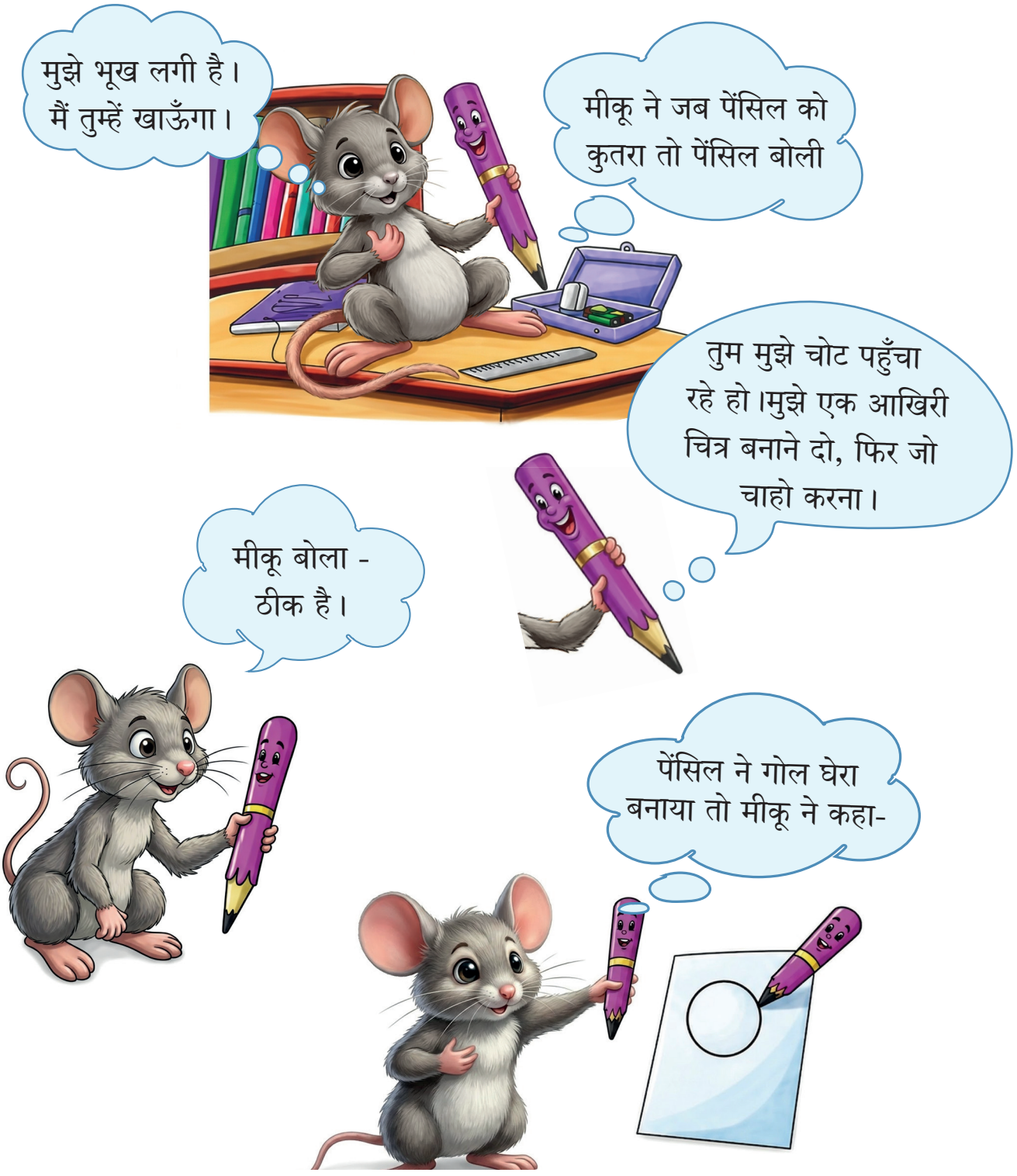

क्या यह पनीर है?
हाँ हम इसे पनीर कहेंगे।



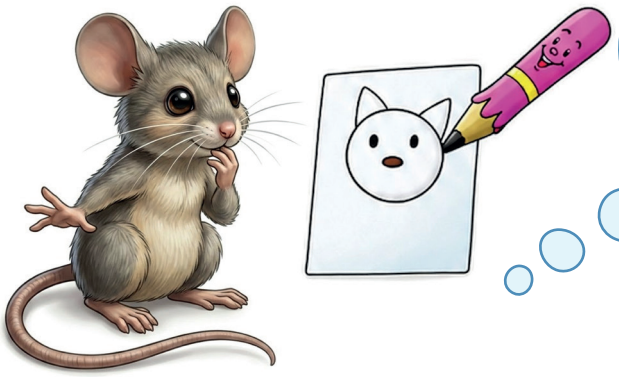

फिर पेंसिल ने उस घेरे के भीतर
तीन छोटे घेरे खींचे और ऊपरी
घेरे पर दो तिकोने बनाने लगी।

मीकू खुशी से चिल्लाया
अरे!यह तो बिलकुल सेब
के जैसा है।

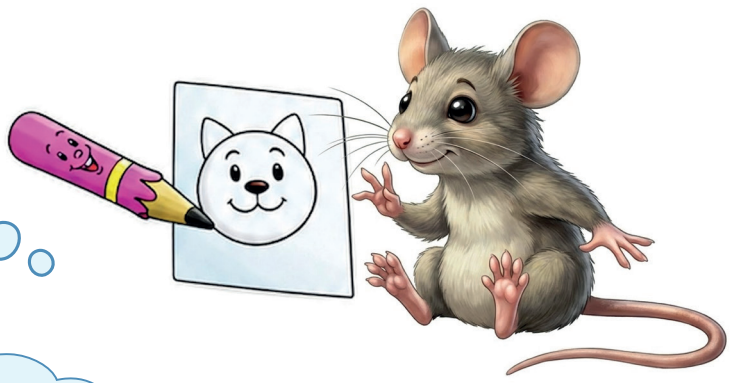

चलो इसे सेब
कह लेते हैं।



पेंसिल ने बड़े घेरे के नीचे
कुछ आकृतियाँ बनाई।
क्या ये खीरे हैं ? तुम जल्दी करो,
मैं इन्हें खाना चाहता हूँ।

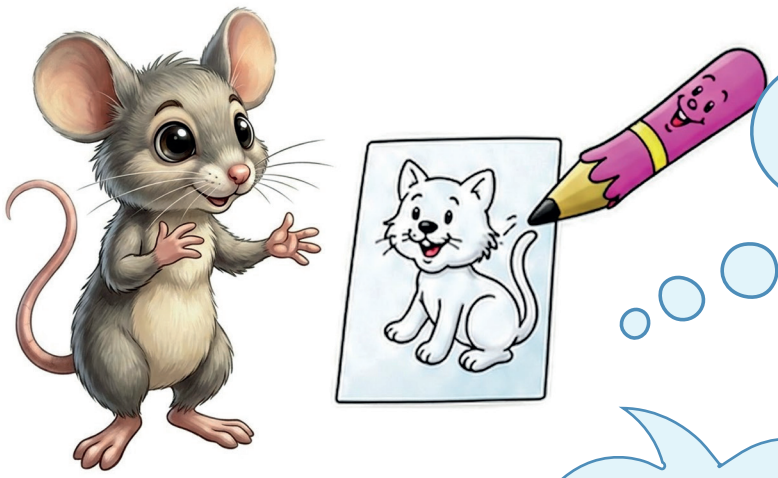

फिर पेंसिल ने जल्दी-जल्दी कुछ रेखाएँ और खींच दीं। अरे, डरो मत।

अरे! तुमने तो इसे बिल्ली जैसा बना दिया अब आगे मत बनाओ।

तभी पेंसिल ने ऊपरी घेरे पर लंबी मूँछे और एक मुँह बनाया। अरे! तुमने तो असली की बिल्ली बना दी।

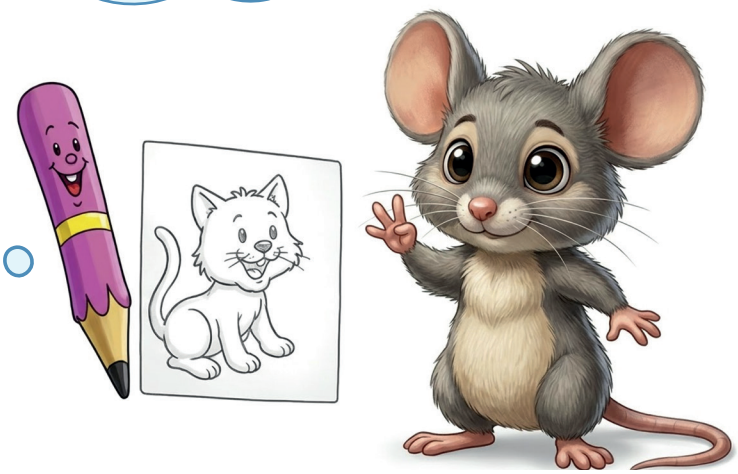

अब चूहा आगे था और बिल्ली पीछे – पीछे थी। बचाओ!



अर्थ

भीतर – अंदर

तिकोना – तीन कोनों वाला

आकृति – बनावट

विलोम शब्द

1. भीतर x बाहर
2. छोटे x बड़े
3. जल्दी-जल्दी x धीरे-धीरे
4. पीछे-पीछे x आगे-आगे

सही शब्द चुनकर लिखिए:-

(गोल,बिल्ली,पेंसिल,आकृतियाँ)

1. मीकू चूहे ने _____को कुतर दिया।
2. पेंसिल ने सबसे पहले ___घेरा बनाया।
3. पेंसिल ने दूसरे घेरे के नीचे कुछ ____बनाई।
4. चित्र पूरा हुआ तो _____बन गई।

सही या गलत

1. खाना ढूँढते-ढूँढते मीकू चूहे को खीरा मिला।
2. पेंसिल बिल्ली का चित्र बनाना चाहती थी।
3. पेंसिल द्वारा बनाए गए गोल घेरे को मीकू ने पनीर कहा।

प्रश्नोत्तर

1. चूहा क्या खाना चाहता था ?
2. पेंसिल ने चूहे से क्या कहा ?
3. पेंसिल ने किसका चित्र बनाया ?

योग्यता - विस्तार

चूहे बिल्ली की कहानी बच्चों को सुनाए।

गतिविधि

चलो चूहा बनाएँ

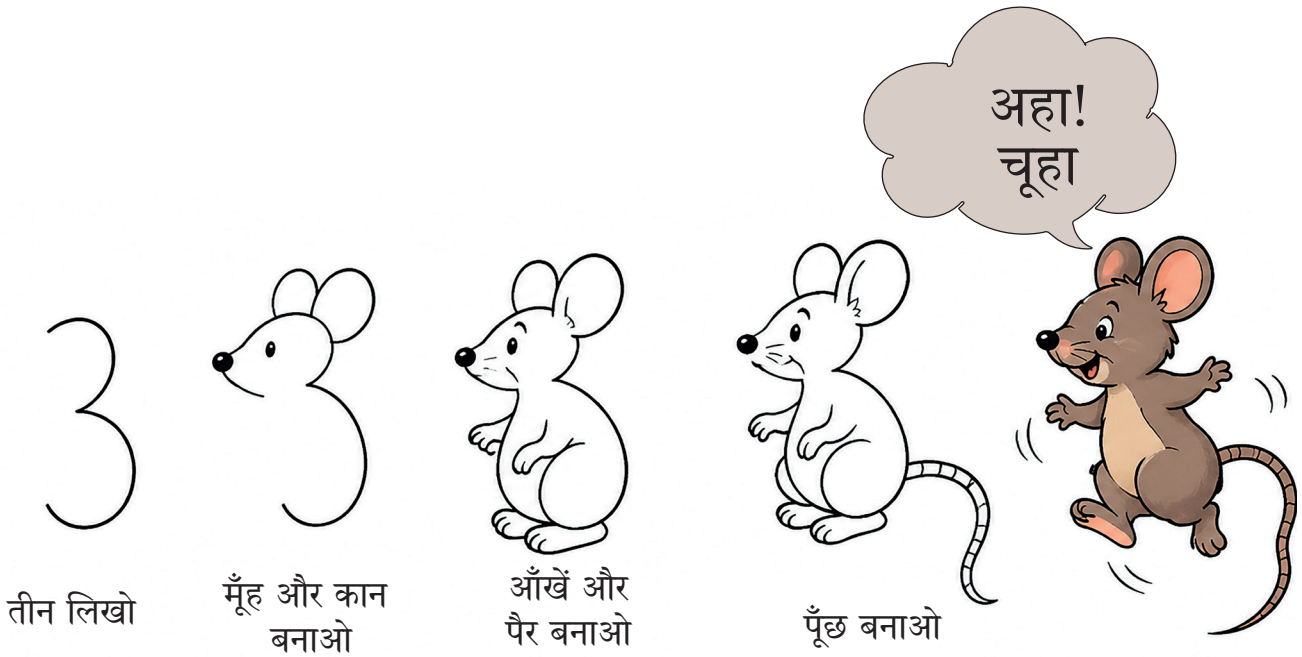

तीन लिखो

मूँह और कान बनाओ

आँखें और पैर बनाओ

पूँछ बनाओ

नीचे दिए वर्ग पहेली से शब्दों को ढूंढिए

मीकू, पेंसिल, बिल्ली, घर, चित्र, डिब्बा

म	प	अ	ब	मी	कू	ल
न	ए	पें	सि	ल	डि	ब्बा
बि	ल्	ली	ल	द	क	म
घ	र	त	ब	ब	ब	घ
चि	त्र	ज	ग	ख	ग	च
ट	प	व	स	द	ह	ज
य	क	र	ट	ब	व	ण
म	ब्बा	भ	डि	न	क	ल



6 कहानी - रट्टू तोते

किसी जंगल में एक साधु रहता था। उसने अपने आश्रम में कुछ तोते पाल रखे थे। एक बार साधु ने देखा कि एक शिकारी रोज आता है और उसके पालतू तोतों को पकड़ने के लिए जाल बिछाता है। शिकारी से बचाने के लिए उसने अपने तोतों को यह पाठ सिखाना शुरु किया।

शिकारी आयेगा, अपना जाल बिछायेगा

दाने बिखेरेगा पर हम नहीं खायेंगे।

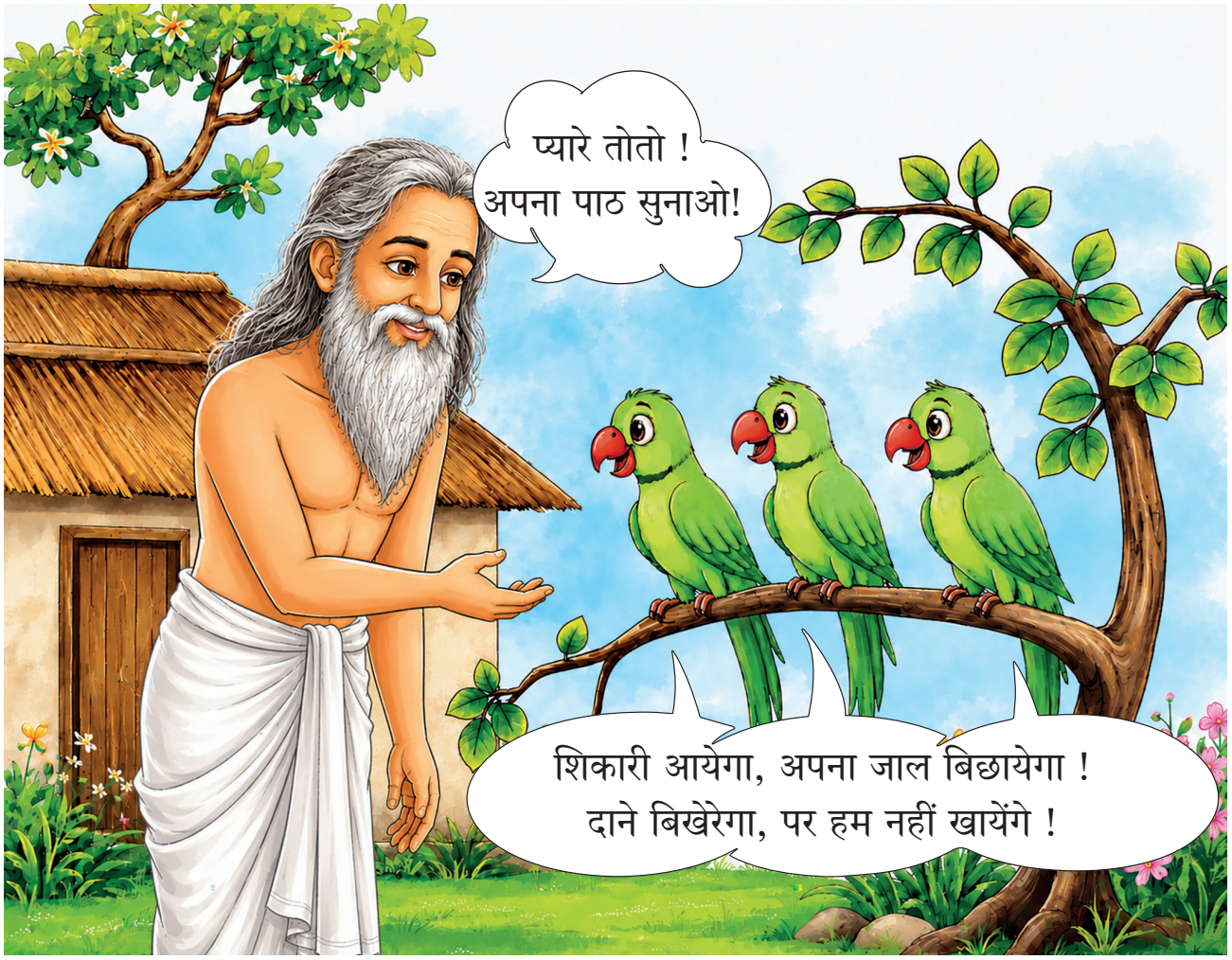

तोतों ने यह वाक्य रट लिये। साधु का विचार था कि इन वाक्यों के रटते-रटते यह बात तोतों की समझ में आ जायेगी और वे दानों के लालच में जाल में नहीं फँसेंगे।

शिकारी फिर आया। उस समय तोते वही वाक्य रट रहे थे। जब शिकारी ने तोतों को यह रट लगाते सुना तो वह निराश हो गया। फिर भी उसने जाल फैलाकर दाने बिखेर दिये। उसके बाद वह एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया।

दानों को देखकर तोतों का मन ललचा गया। वे दाने खाने के लिए नीचे आ गये और जाल में फँस गये। शिकारी सबको पकड़कर अपने घर ले जाने लगा।

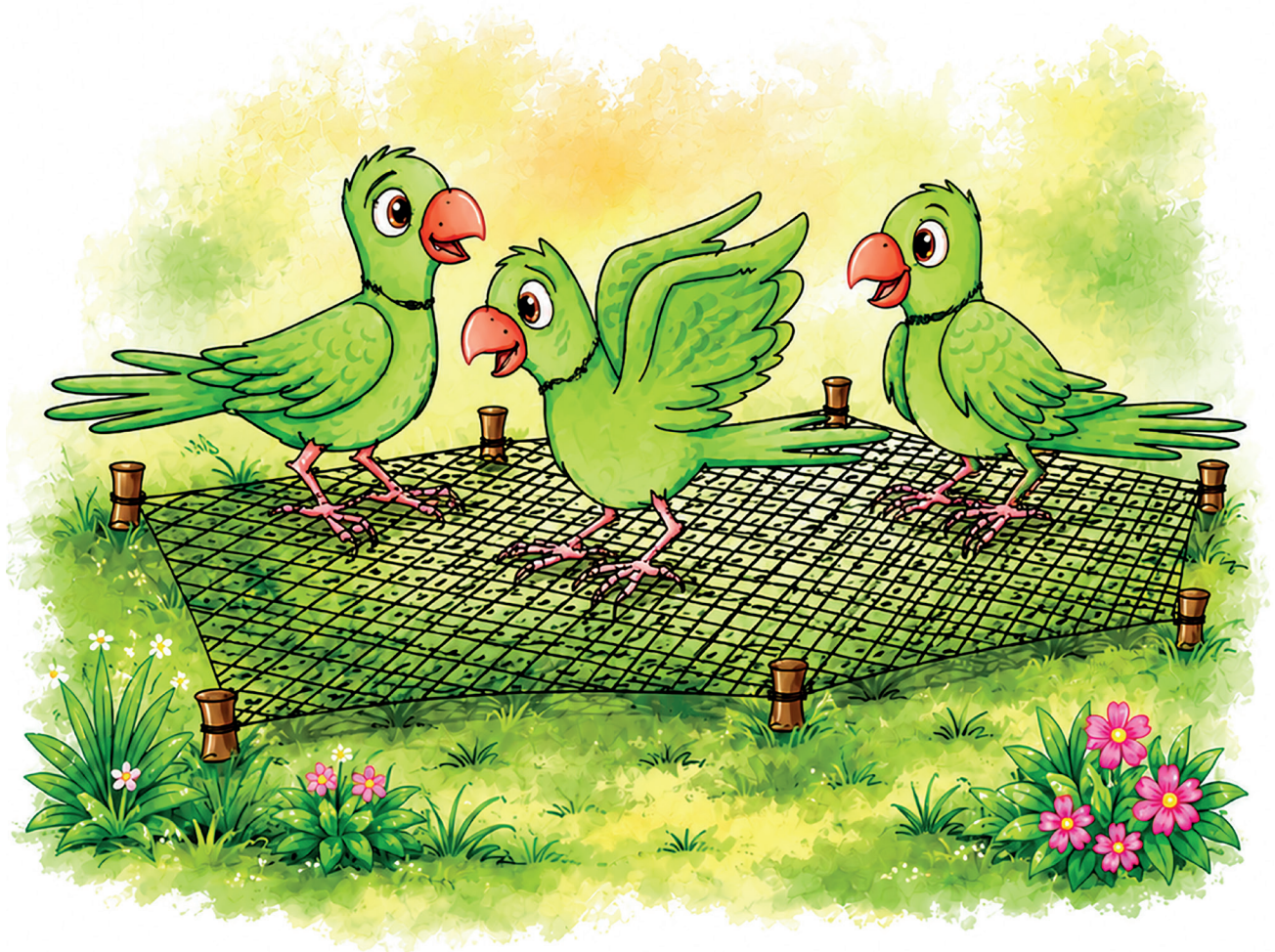

शिकारी आयेगा, अपना जाल बिछायेगा

दाने बिखेरेगा पर हम नहीं खायेंगे।

तोते उस समय भी साधु के बताये हुए वाक्य रट रहे थे। मगर अब सब कहने से कोई लाभ नहीं था।

सीख: - बच्चों कुछ भी सीखने के लिए केवल रटना काफी नहीं है बात को समझकर व्यवहार में लाना जरूरी है। तभी कुछ लाभ हो सकता है।

अर्थ

जंगल – वन
लालच – लोभ
निराश – उदास
वृक्ष – पेड़
लाभ – फायदा

सही शब्द चुनकर लिखिए:-

1. आश्रम में _____रहता था। (साधु,शेर)
2. साधु ने आश्रम में _____पाल रखे थे। (तोते,कुत्ता)
3. शिकारी _____के पीछे छिपकर बैठ गया। (नदी,पेड़)
4. तोते _____में फँस गए। (घर,जाल)
5. रटना _____कला है। (सही,गलत)

सही या गलत

1. जंगल में रोज राजा आता था।
2. लालच करना सही बात है।
3. तोते ने वाक्य रट लिया।
4. दानों को देखकर तोतों का मन ललचा गया।
5. शिकारी ने तोतों को पाठ सिखाया।

प्रश्नोत्तर

1. साधु ने आश्रम में क्या पाल रखे थे ?
2. तोते को किसने जाल में फ़ँसाया ?
3. तोते समझदार थे या मूर्ख ?

योग्यता-विस्तार

चूहे बिल्ली की कहानी बच्चों को सुनाए।

गतिविधि

नीचे दिए गए शब्दों को चुनकर खाली जगह भरिए

दाने कबूतर जाल पेड़ देख उड़ विश्राम सावधान



एक बगीचे में एक बड़ा सा _____ था। उस पेड़ पर प्रतिदिन बहुत-से _____ आकर _____ करते थे। एक दिन एक बहेलिये ने कबूतरों को पकड़ने के लिए वहाँ _____ बिखेर दिए और उनके ऊपर _____ बिछा दिया और स्वयं एक पेड़ के पीछे छिपकर बैठ गया। लेकिन तभी एक तोते ने उसे _____ लिया और चिल्लाकर सारे कबूतरों को _____ कर दिया। कबूतर डरकर _____ गए और बहेलिये के हाथ से बच निकले।

सही रंगों को चुनकर वाक्य पूरा कीजिए

(काला, पीला, लाल, सफ़ेद, भूरा, नीला, नारंगी)

कौए का रंग_____ होता है।

संतरे का रंग_____ होता है।

दूध का रंग _____होता है।

टमाटर का रंग _____होता है।

सूरजमुखी के फूल का रंग _____होता है।

गौरैया का रंग _____होता है।

दिन में आसमान _____रंग का होता है।

निम्नलिखित वर्ग पहेली में नीचे दिए गए शब्दों को ढूंढकर गोला बनाए।



प	ह	त	वा	सि	ता	र	कु
पी	खी	कि	ता	ब	म	गी	बा
ता	पि	अ	ना	यी	रु	ठा	द
डि	छु	ना	फी	जा	मु	न	ल
ब	क	र	भा	यी	रू	ली	व
शा	छु	पी	ग	झु	म	का	धा
का	आ	सि	ट	ठि	द	नी	ली
ना	श	पा	ती	थी	वा	ला	स

7 कविता - नानी की कहानी

मेरी नानी मेरी सबसे अच्छी दोस्त हैं वह हमें बचपन में राजा-रानी की मज़ेदार कहानियाँ सुनाती हैं। वह अक्सर हमारे साथ खेलती हैं और हमारे हर काम में मद्द करती हैं।

बोली नानी, सुनो कहानी
ना कोई राजा, ना कोई रानी।

तुमको मैं देती संदेश,
कभी न भूलो अपना देश।

कड़वे बोल कभी न बोलो,
जब भी बोलो मीठा बोलो।

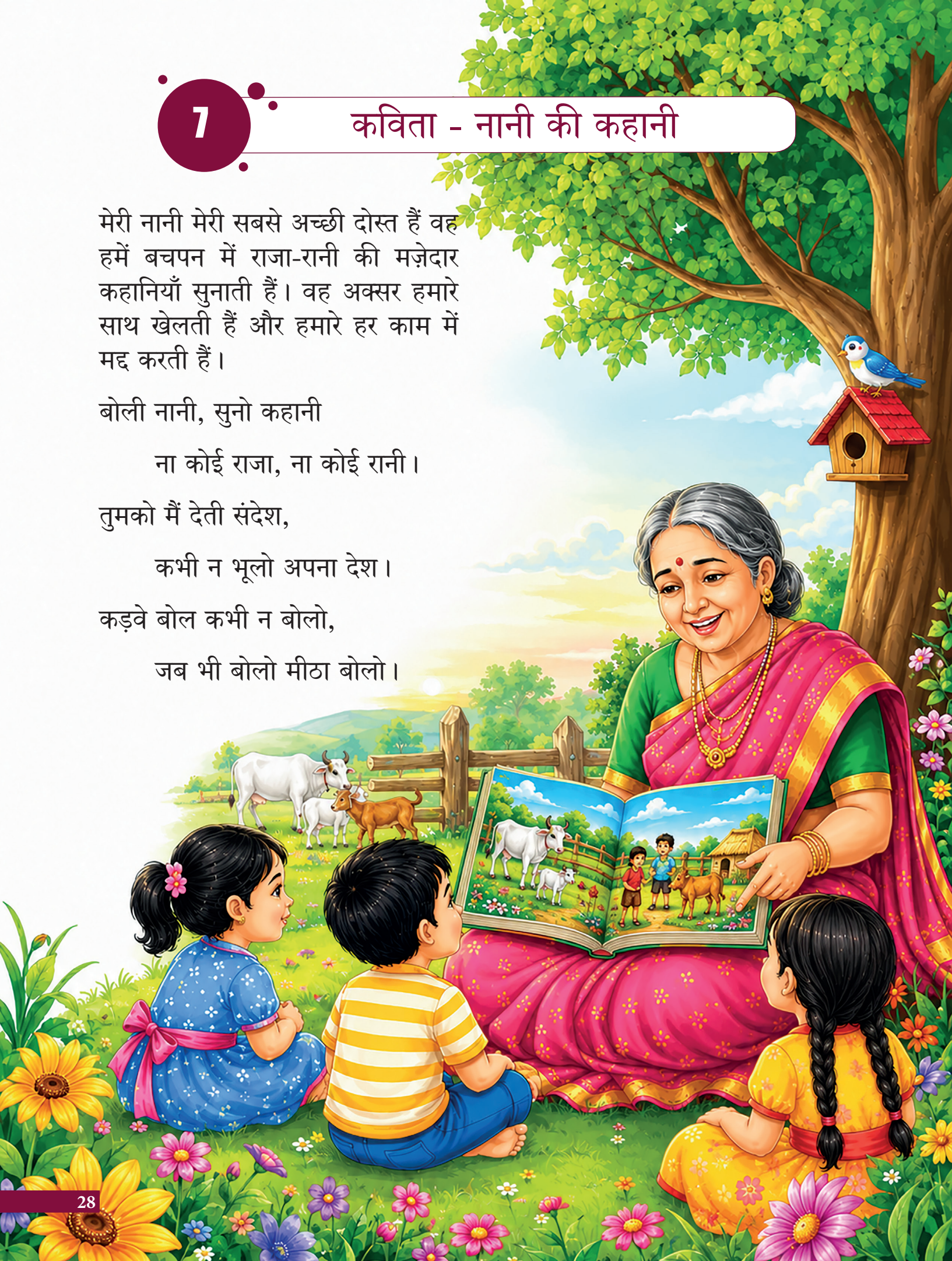

अर्थ

कथा - कहानी
नरेश - राजा
संदेश - सूचना
राष्ट्र - देश
कटु - कडवा
मधुर - मीठा

सही शब्द चुनकर लिखिए:-

1. बच्चों को नानी _____ सुनाती है।
2. नानी हमें _____से प्रेम करना सिखाती हैं।
3. हमें _____बोल नहीं बोलना चाहिए।
4. वाणी में ___ होना चाहिए।
5. हर काम में _____बच्चों की मद्द करती हैं।

सही या गलत

1. बच्चों को नानी हमेशा डाँटती हैं।
2. नानी सही संदेश देती हैं।
3. बोली कड़वी होनी चाहिए।
4. माता-पिता परियों की कहानी सुनाते हैं।
5. नानी बच्चों की दोस्त होती हैं।

प्रश्नोत्तर

1. नानी कौन होती है ?
2. बच्चों को नानी क्या सुनाती हैं ?
3. इस कविता में नानी का संदेश क्या है ?
4. बच्चों को हमेशा कैसी वाणी बोलनी चाहिए ?
5. नानी माँ की माता होती है क्या यह सही है ?

योग्यता-विस्तार

कविता को समझाकर विद्यार्थियों से कविता का वाचन, शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर एवं कविता का संदेश समझाएँ।

गतिविधि

मिलान कीजिए

A	B
नानी	मजेदार कहानी
देश	अच्छा काम
मीठा	प्यार
राजा-रानी	बोल
मदद	कहानी

वर्णों को जोड़कर नए शब्द बनाइए

क + हा + नी = _____

दे + श = _____

मी + ठा = _____

रा + जा = _____

अच्छे गुणों पर ✓ लगाइए

- मीठा बोलना ☐
- दूसरों की मदद करना ☐
- अपना देश भूलना ☐
- बड़ों का सम्मान करना ☐
- कड़वे बोल बोलना ☐



सही विलोम शब्द चुनिए

रात	गंदा	नीचे	उधर	ठंडा
पतला	छोटा	रोना	बुरा	बाहर

अंदर × ____

गरम × ____

मोटा × ____

साफ × ____

बड़ा × ____

ऊपर × ____

दिन × ____

इधर × ____

अच्छा × ____

हँसना × ____

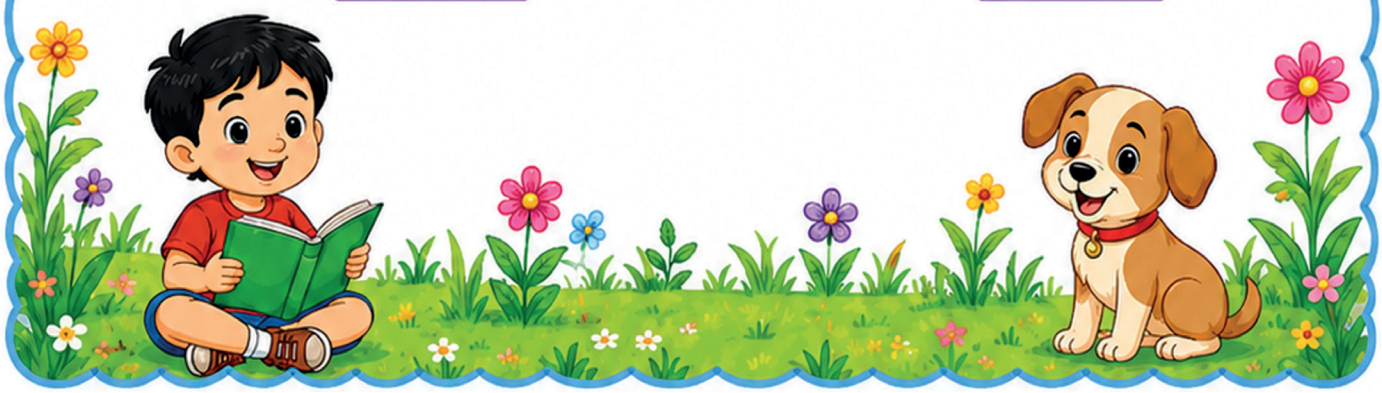

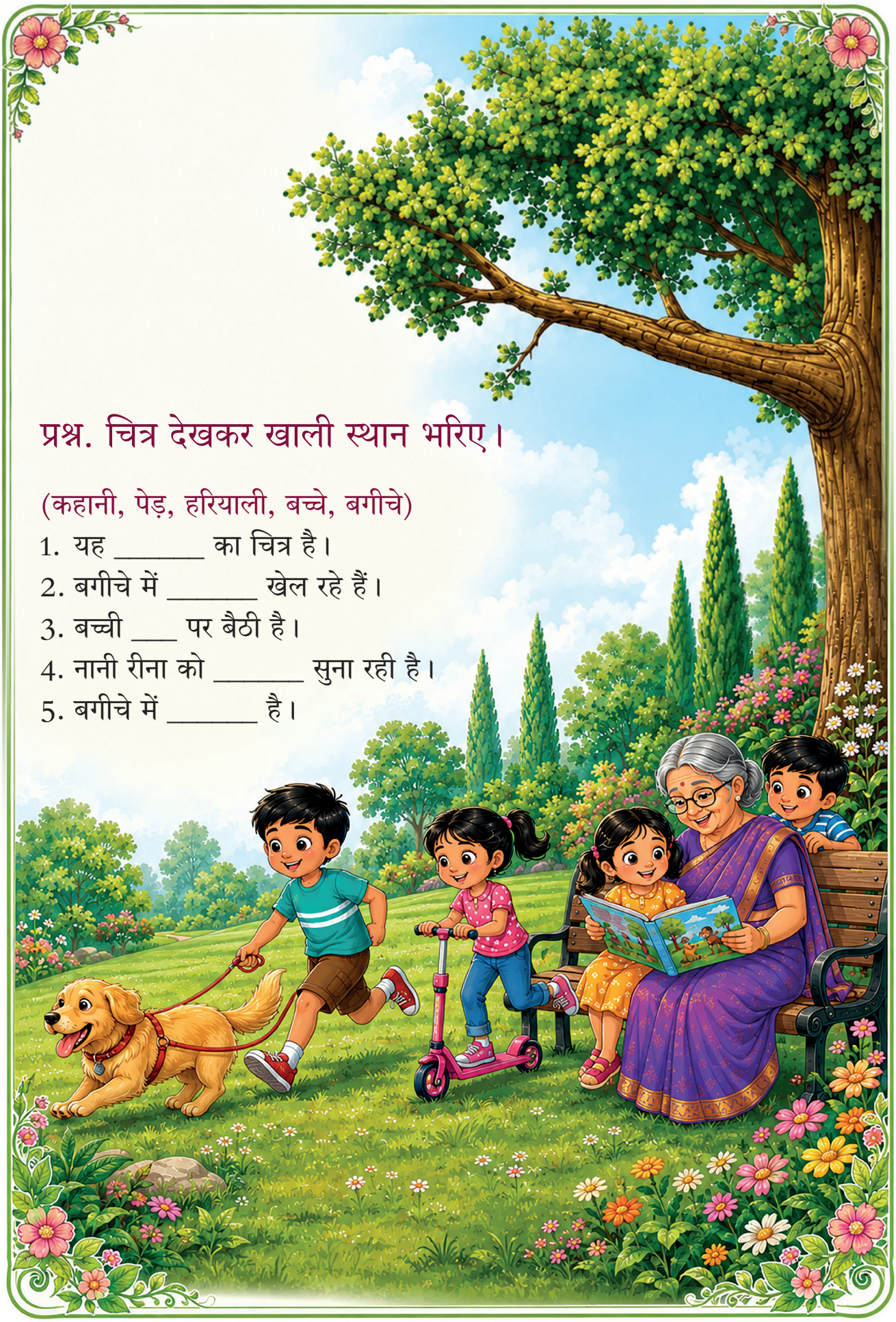

प्रश्न. चित्र देखकर खाली स्थान भरिए।

(कहानी, पेड़, हरियाली, बच्चे, बगीचे)

1. यह _____ का चित्र है।
2. बगीचे में _____ खेल रहे हैं।
3. बच्ची ___ पर बैठी है।
4. नानी रीना को _____ सुना रही है।
5. बगीचे में _____ है।

8 पाठ – झनकू दादा और चोर

बच्चों ! अपनी समझ और चतुराई से मनुष्य बड़ी से बड़ी मुसीबत से भी छुटकारा पा सकता है। झनकू दादा ने किस प्रकार अपनी सूझबूझ से चोर को पकड़वाया इस पाठ को पढ़ने से मालूम होगा।

एक बार गर्मी के दिन थे।आधी रात का समय था। झनकू दादा अपने मकान की छत पर सो रहे थे अचानक किसी के पैरों की आहट हुई। झनकू दादा जाग गए।

कौन? झनकू दादा के मुँह से निकला। आँखे खोली तो दादा डर गए। एक हट्टा –कट्टा चोर उनके सामने खड़ा था। चोर के हाथ में मोटा डंडा था।



‘संदूक की चाबी लाओ’ – चोर गरजा।

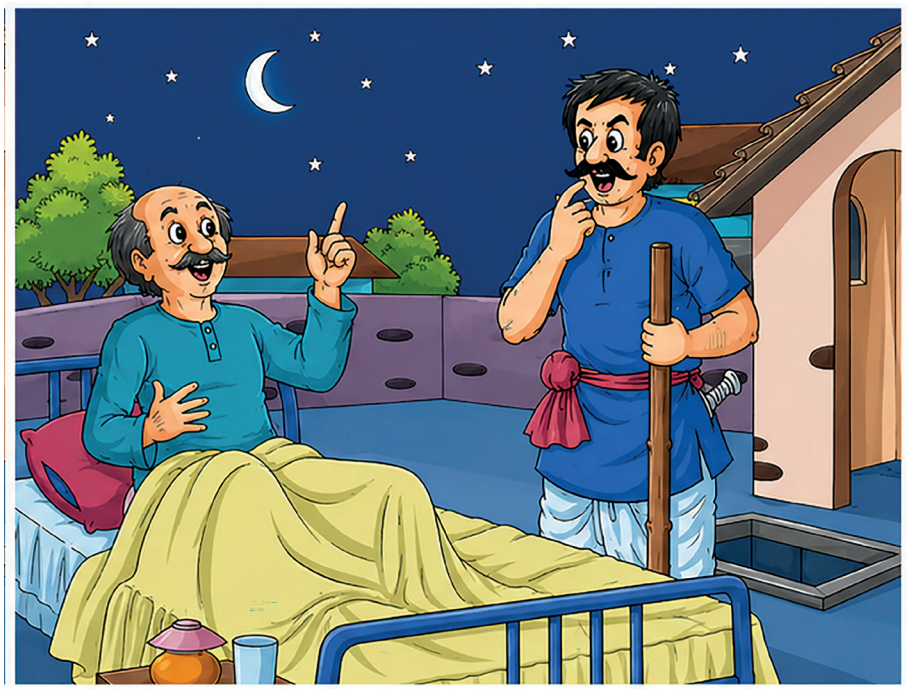

“दादा ने कुछ सोचा,फिर बोले चाबी!... – ‘चाबी नीचे कमरे में है। एक छलाँग लगाओ और चाबी तुम्हीं ले आओ।”

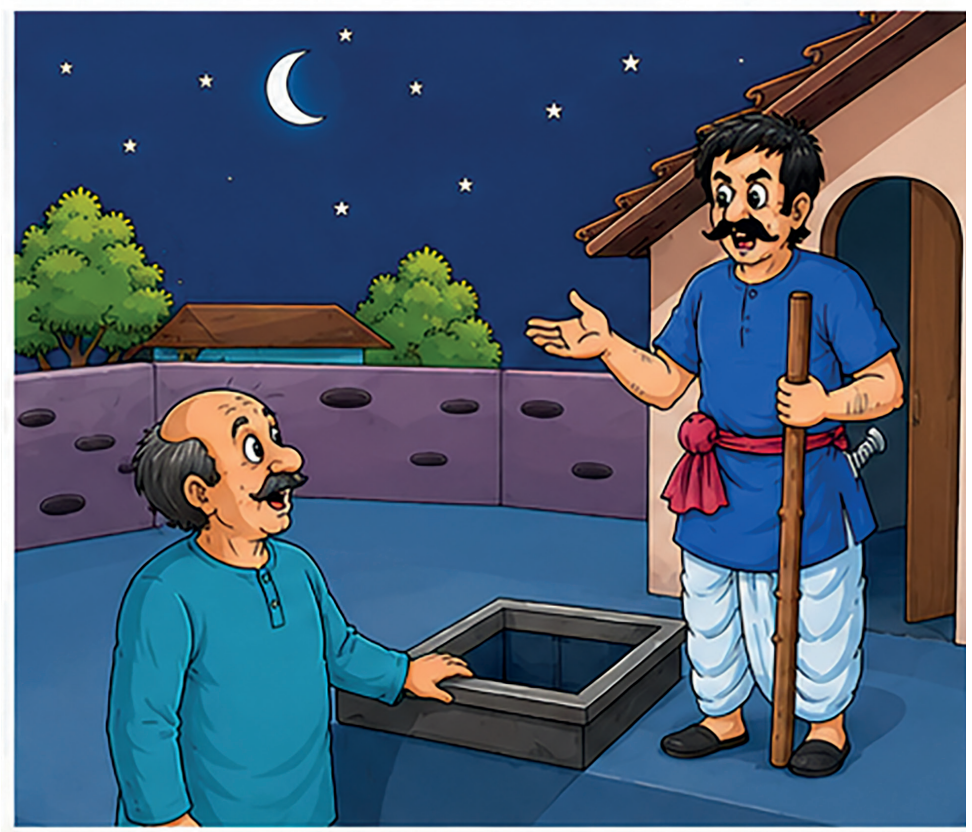

चोर बोला – ‘ इतने ऊँचे से छलाँग लगवाकर मुझे मारना चाहते हो ? ऊँची छत से नीचे कौन

कूद सकता है ?

दादा हँसकर बोले – 'तुम छत पर से नीचे कूदने की बात कहते हो, मैं नीचे से ऊपर छत पर छलाँग लगा सकता हूँ।

'सच' ! चोर आश्चर्य से बोला !



'इसमें झूठ क्या है ? दादा ने कहा।

"तो ज़रा नीचे से उछलकर ऊपर तो आकर दिखाओ।"

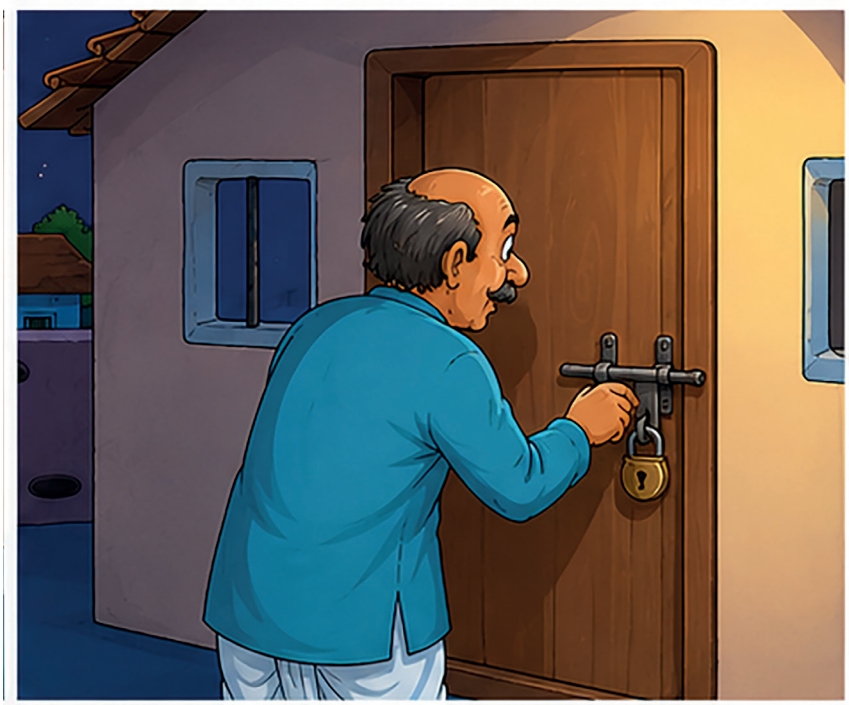

चोर बोला।

'अभी लो।' कहते हुए झनकू दादा झटपट धीरे से नीचे उतर गए। उतरकर उन्होंने बाहर से जाने की साँकल बंद कर दी।

चोर ऊपर रह गया।



' चोर ----चोर----चोर----चोर-----' दादा गला फाड़कर चिल्लाए।



मुहल्ले भर के लोग इकट्ठे हो गए। चोर पकड़ लिया गया। उसे पकड़कर पुलिस में दे दिया गया।

बच्चों! देखा दादा ने कैसी चतुराई की ! तुम भी चतुराई सीखो।

अर्थ

अचानक	-	एकदम
हट्टा-कट्टा	-	मज़बूत
छलाँग लगाना	–	कूदना
चतुर	–	होशियार
इकट्ठे	–	एक साथ

विलोम शब्द

1. रात x दिन
2. ऊँचा x नीचा
3. मोटा x पतला
4. झूठ x सच
5. हँसना x रोना
6. चतुर x मूर्ख

सही शब्द चुनकर लिखिए:-

(चतुर,डंडा,सो,चोर,चतुराई)

1. झनकू दादा मकान की छत पर _____ रहे थे।
2. चोर के हाथ में मोटा _____ था।
3. _____पकड़ लिया गया।
4. तुम भी _____ सीखो।
5. दादाजी ___ थे।

प्रश्नोत्तर

1. झनकू दादा कहाँ सोए हुए थे?
2. झनकू दादा ने आँखे खुलते ही क्या देखा ?
3. चोर ने गरजकर झनकू दादा से क्या कहा ?
4. चोर की बात सुनकर झनकू दादा ने क्या उत्तर दिया ?
5. झनकू दादा ने चोर को कैसे पकड़वाया ?

योग्यता - विस्तार

बच्चों द्वारा इस पाठ का अभिनय करवाएँ

गतिविधि

कहानी को क्रम से लिखिए

चोर

चतुराई



झनकू

पुलिस

चाबी

पकड़

छलाँग

गला

1. मात्रा के अनुसार शब्दों को अलग कीजिए:

मेल,शेर,बैल,थैला,तेल,खेल,सैर,

जैसा,रेल,झेल, वैसा,मैला

ए की मात्रा	ऐ की मात्रा

2. अक्षर जोड़कर शब्द बनाइए

पैदल, गवैया, मैदान, तैराक, सैनिक, शैतान

i. ग + वै + या = _____

ii. में + दा + न = _____

iii. सै + नि + क = _____

iv. पै + द + ल = _____

v. तै + रा + क = _____

vi. शै + ता + न = _____

गद्यांश को पढ़कर प्रश्नो के उत्तर लिखिए



रिया और रानी बहुत अच्छी सहेलियाँ हैं।
उन्हें जानवर बहुत पसंद हैं।
एक दिन वे पार्क में घूमने गई।
उन्हें वहाँ दो छोटे पिल्ले मिले।
पिल्ले भूखे और डरे हुए थे।
रिया और रानी उन्हें अपने घर ले आई।
उन्होंने उन्हें खाना खिलाया और एक नरम कंबल दिया।
अब पिल्ले खुश हैं और दोनों बच्चियाँ भी खुश हैं।



प्रश्न 1. कहानी में दो लड़कियों के नाम क्या हैं?
उत्तर _____

प्रश्न 2. रिया और रानी को कहाँ दो पिल्ले मिले?
उत्तर _____

प्रश्न 3. रिया और रानी ने पिल्लों के साथ क्या किया?
उत्तर _____

9 रंग-बिरंगे फूल

झूम-झूम कर गाते फूल,
हँसते और हँसाते फूल।
इधर डोलते, उधर डोलते,
मस्ती खूब दिखाते फूल।
रंग-बिरंगे प्यारे-प्यारे,
सबके मन को भाते फूल।
काम सदा औरों के आएँ,
पाठ यही सिखलाते फूल।



अर्थ

मस्ती - खुशी / आनंद

सदा - हमेशा

औरों - दूसरों

भाते - अच्छे लगते

पाठ - सीख / सबक

विलोम शब्द

1. हँसना x रोना
2. इधर x उधर
3. आना x जाना
4. सदा x कभी-कभी

सही शब्द चुनकर लिखिए:-

(पाठ, मस्ती, मन, झूम-झूम, रंग-बिरंगे)

1. फूल _____ कर गाते हैं।
2. फूल खूब _____ दिखाते हैं।
3. प्यारे-प्यारे फूल _____ होते हैं।
4. फूल सबके _____ को भाते हैं।
5. फूल दूसरों के काम आने का _____ सिखलाते हैं।

सही या गलत

1. फूल हमेशा रोते और रुलाते हैं।
2. फूल रंग-बिरंगे और प्यारे-प्यारे होते हैं।
3. फूल किसी के मन को नहीं भाते हैं।
4. फूल हमें दूसरों के काम आने का पाठ पढ़ाते हैं।
5. फूल इधर-उधर डोलकर मस्ती दिखाते हैं।

प्रश्नोत्तर

1. फूल कैसे गाते हैं?
2. फूल क्या दिखाते हैं?
3. फूल देखने में कैसे होते हैं?
4. फूल हमें क्या पाठ सिखलाते हैं?

गतिविधि





हिंदी - दिनों के नाम

दिनों के नाम सहीक्रम में लगाइए

शुक्रवार	सोमवार	रविवार	मंगलवार
गुरुवार	शनिवार	बुधवार	

1. _____ 2. _____ 3. _____ 4. _____

5. _____ 6. _____ 7. _____

खाली स्थान भरो

सात, शुक्रवार, रविवार, शनिवार, मंगलवार

- शनिवार के बाद _____ आता है।
- सोमवार और बुधवार के बीच में _____ आता है।
- गुरुवार के बाद _____ आता है।
- सप्ताह में कुल _____ दिन होते हैं।
- शुक्रवार और रविवार के बीच में _____ आता है।



वर्णों को सही क्रम में लिखे



1. 

र ग म _____

2. 

न ट ब _____

3. 

र ट म _____

4. 

ह द श _____

5. 

क स ड़ _____

10 सारस और गीदड़ की कहानी



बहुत समय पहले की बात है। एक जंगल में सारस और गीदड़ साथ रहते थे। दोनों आपस में अच्छे मित्र थे, लेकिन दोनों के स्वभाव में बहुत अंतर था। गीदड़ बहुत चालाक और स्वार्थी था, जबकि सारस सीधा-सादा और भोला था। एक दिन गीदड़ ने सारस को अपने घर भोजन पर बुलाया।



गीदड़ ने जानबूझकर पतली थाली में खीर परोस दी। गीदड़ मज़े से खीर खाने लगा। सारस अपनी लंबी चोंच के कारण खीर नहीं खा सका। वह भूखा ही रह गया। फिर भी सारस ने कुछ नहीं कहा और चुपचाप घर लौट गया।



कुछ दिनों बाद सारस ने भी गीदड़ को अपने घर भोजन पर बुलाया। इस बार सारस ने लंबी और पतली गर्दन वाली सुराही में खीर परोसी।



सारस ने अपनी लंबी चोंच से आराम से खीर खा ली, लेकिन गीदड़ का मुँह सुराही में नहीं जा सका। गीदड़ को अपनी गलती का एहसास हुआ और वह शर्मिंदा होकर वहाँ से चला गया।



शिक्षा : जैसा करोगे, वैसा भरोगे! दूसरो के साथ छल-कपट नहीं करना चाहिए।

अर्थ

चालाक - चतुर
स्वार्थी - मतलबी
भोला - सीधा-सादा
सुराही - लंबी गर्दन वाला बर्तन
छल-कपट - धोखा

विलोम शब्द

1. मित्र x शत्रु / दुश्मन
2. बहुत x कम
3. चालाक x मूर्ख

सही शब्द चुनकर लिखिए:-

(मित्र, सुराही, चोंच, खीर, चालाक)

1. सारस और गीदड़ दोनों आपस में अच्छे _____ थे।
2. गीदड़ बहुत _____ और स्वार्थी था।
3. गीदड़ ने जानबूझकर पतली थाली में _____ परोस दी।
4. सारस अपनी लंबी _____ के कारण खीर नहीं खा सका।
5. सारस ने लंबी और पतली गर्दन वाली _____ में खीर परोसी।

सही या गलत

1. सारस बहुत चालाक और स्वार्थी था।
2. गीदड़ ने सारस को पतली थाली में खीर परोसी।
3. सारस अपनी लंबी चोंच के कारण आराम से खीर खा गया।
4. सारस ने लंबी और पतली गर्दन वाली सुराही में खीर परोसी।
5. हमें दूसरों के साथ छल-कपट करना चाहिए।

प्रश्नोत्तर

1. जंगल में कौन-कौन साथ रहते थे?
2. गीदड़ और सारस का स्वभाव कैसा था?
3. गीदड़ ने सारस को खीर किस बर्तन में परोसी?
4. सारस ने गीदड़ को खीर किस बर्तन में परोसी?
5. इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

गतिविधि

चित्रों को देखकर वन्य प्राणियों के नाम लिखिए

(भालू, शेर, बंदर, गैंडा, लोमड़ी, हिरन, बाघ, ज़ेबरा)

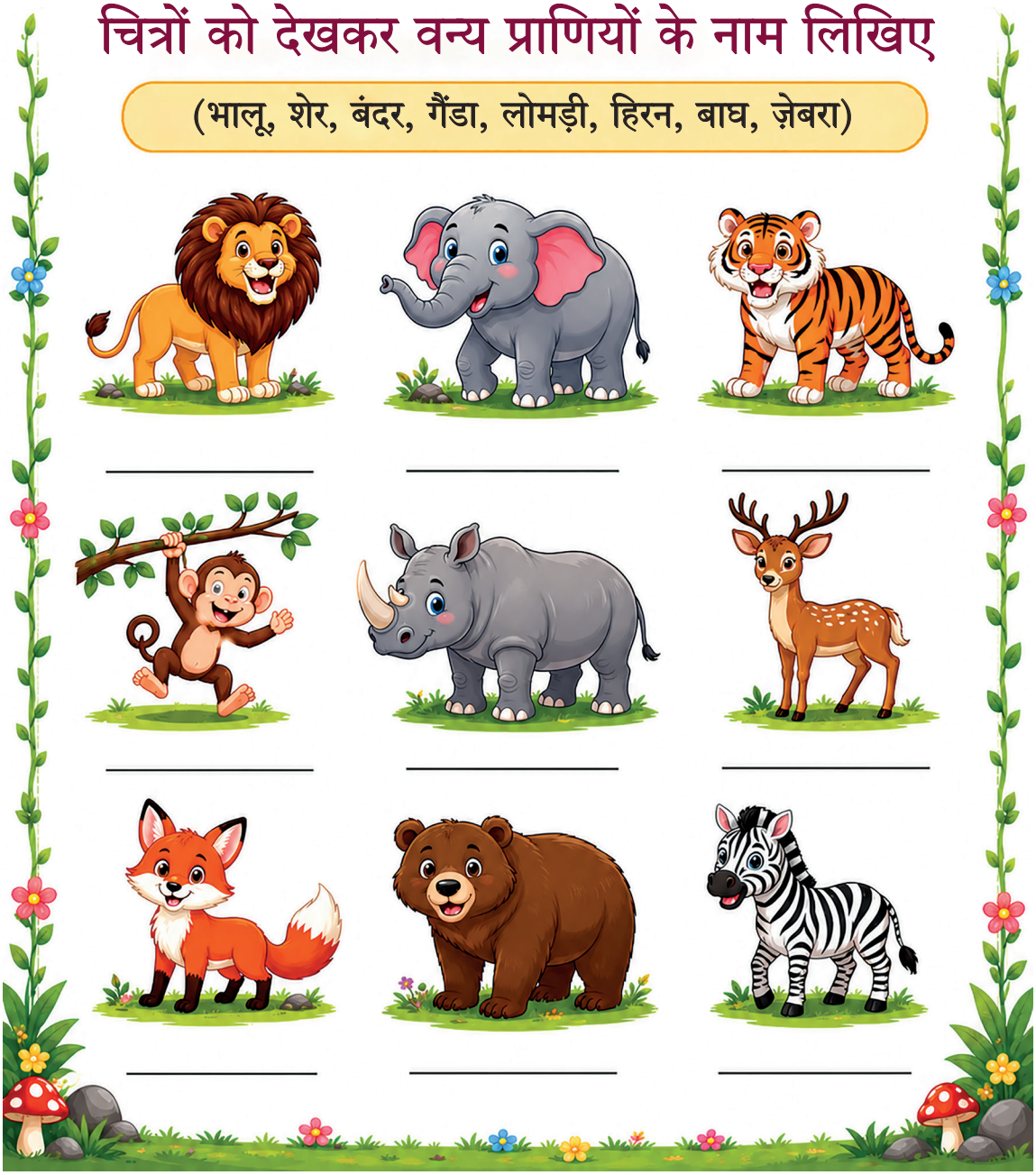

शब्दों को सही करके लिखिए

1. क बा ल → _____
2. ल वा स → _____
3. ज न वा → _____
4. ना म इ → _____
5. य पा ल → _____
6. आ रा ग → _____
7. मा ज रा → _____
8. र सा ग → _____
9. अ र चा → _____
10. ना ना च → _____
11. वा ज ब → _____
12. का ल ज → _____

संख्या देखकर शब्द बनाइए

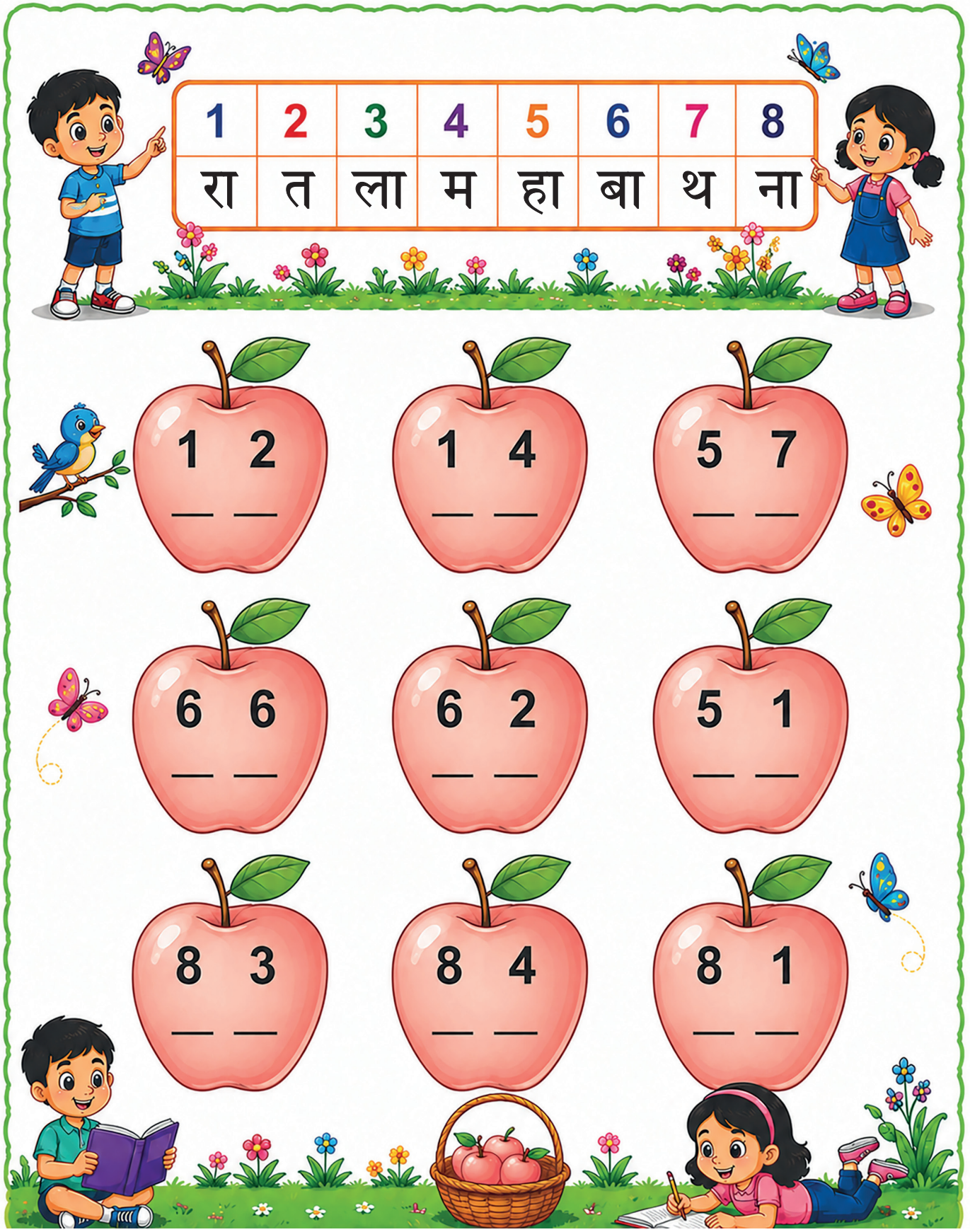



खाली स्थान भरो



घर _____। (चल/हल)

यह _____ चख। (घर/फल)

_____ तक चल। (शहद/महल)

_____ मत कर। (सड़क/बहस)

फसल _____ गई। (कट/मीटर)

जय _____ पर चल। (नल/पथ)

यश _____ पर चढ़। (टब/बस)

_____ आम पक गए। (दस/कट)

अब _____ चल। (पल/घर)

सब _____ कह। (सच/कप)

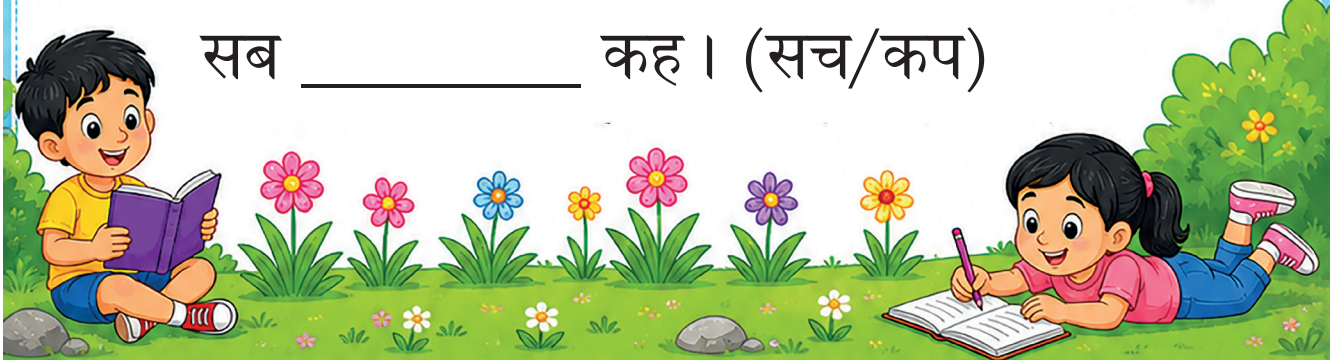

Standard 2 - Hindi Reader - Term - II

Textbook Development Team

Subject Expert

Dr. T. Swapna
Associate Professor,
Department of Hindi & Head,
Bharathi women's college, Broadway,
Chennai - 600108.

Reviewer

Dr. Manoj Kumar singh
Assistant Professor & Head,
Department of Hindi,
D.G. Vaishnav College,
Arumbakkam, Chennai - 600 106.

Co - ordinator

Dr.T.Jayagandhi
Senior Lecturer,
SCERT, Chennai - 600 006.

Authors

Saimeera Joshi
Guest Faculty (Hindi),
Women's Christian College,
College Road, Chennai - 600 006.

M.Gabriel Govindaraju
Lecturer in Hindi (Retd.),
Navalar Nedunchezhian Govt. Hr.Sec.School,
Lawspet, Puducherry - 605 008.

O.V.S. Mallika
P.G Hindi Teacher (Retd.),
Kesari Higher Secondary School,
Mylapore, Chennai - 600 004.

Latha S Misra
Hindi Pandit,
Shree K.S.S.D. Girls HSS,
Sowcarpet, Chennai - 600 079.

R. Saritha
Hindi Pandit,
S.M.B. Jain Higher Secondary School,
T. Nagar, Chennai - 600 017.

Art and Design Team

M. Amalraj,
Layout Co - ordinator,
B.T. Asst., SCERT,
Chennai - 600 006.

Makenthirap Pratheep, Designer

Wrapper Design

Kathir Arumugam

This book has been printed on 80 GSM
Elegant Maplitho paper

Printed by offset at: